

नस्ल और संस्कृति

मैं एक बार लिस्बन के एक अपार्टमेंट में छह महीने तक विभिन्न राष्ट्रीयताओं के लोगों के साथ रहा, और आज, मानवता के सबसे दुर्भाग्यपूर्ण अध्यायों में से एक — नस्लवाद की परिघटना — को याद करने के लिए बने इस दिन पर, मैं एक निजी कहानी बताना चाहता हूँ जिसने मुझे बदल दिया।

मैं उस अपार्टमेंट में पहुँचा, लिस्बन के बिल्कुल बाहरी इलाके में, सबसे गरीब और जर्जर क्षेत्रों में से एक, अधिकांशतः पुर्तगाली-भाषी, जिसमें ब्राज़ील, अंगोला, साओ तोमे, मोगादिशू, मेडागास्कर के लोग और पुर्तगाल के भी कुछ लोग रहते थे।

भाषा मेरे लिए परिचित नहीं थी, पर कुछ बोलचाल के शब्दों में यह मेरे अपने शहर के बोलीरूपों की याद दिलाती थी — और यह ऐतिहासिक स्मृति कि पुर्तगालियों ने कभी मेरे घर को उपनिवेश बनाया था, केवल संभावित नहीं, निश्चित थी।

एक अभिव्यक्ति जो मुझे हमेशा मुस्कराने पर मजबूर करती थी वह थी जब वे पुर्तगाली में कहते थे FOCU MEU — जिसका कलाब्रियाई बोली में भी वही अर्थ है।

मैं हर चीज़ पर ध्यान देता था। अल्फोंसो, ओज़्वाल्दो, पाओलो, रोबेर्तो, अंतोनियो, रामोन हर शाम रात के खाने के लिए मेरा इंतज़ार करते थे। मैं सबसे बड़ा था, और वे मेरी कहानियाँ चाहते थे।

एक कहानी जो इतिहास में दर्ज हो गई वह बुशेता, बुसेता और बुसादेरो की थी — तीन शब्द, तीन बिल्कुल अलग चीज़ें — और मैं उसके साथ खेलता, अपनी कहानियाँ बुनते हुए, जानबूझकर न समझने का नाटक करते हुए, जानबूझकर उलझने और ग़लतफ़हमियाँ पैदा करते हुए, और सब आखिर में हँसी से लोटपोट हो जाते।

वे मुझसे कहानियाँ पुर्तगाली में सुनाने को कहते, और हर एक के अंत में मैं इतालवी में एक “वाफ़्रानकुलो” छोड़ता, मानो एक मुक्तिदायक निकास के रूप में, और सब मुस्कराते।

किसी ने भी कभी मेरी त्वचा के रंग पर ध्यान नहीं दिया। मैं इतने सारे रंगों के बीच अकेला सफ़ेद आदमी था, पर शामों को, एक साथ, हम खुशी और मुस्कराहटों का एक इंद्रधनुष थे।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि जब मेरे पास खाने को ख़रीदने के लिए पैसे न हों तो मेरे पास खाना हो, और उन्होंने यह गरिमा और शालीनता के साथ किया, साथ ही मुझसे कहते रहे कि मैं संचार का एक प्रोफ़ेसर हूँ, स्त्रियों के साथ एक शरारती आदमी, और कोई जिसने अपने ही मन को एक खज़ाना बना लिया है — देने के लिए, कभी शोषण के लिए नहीं।

तो, जो कोई भी मुझे पढ़ रहा है: गति में एक दुनिया ऐसी ही दिखती है — और जब आप सबसे कम उम्मीद करते हैं, सबसे अकल्पनीय मदद आती है, उस तरह से जैसे केवल पुर्तगाली देना जानते हैं।

अलविदा दोस्तों,
फेर्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com